भा.कृ.अनु.परि.- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर, मोदीपुरम मेरठ
'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत "पहल-एक-प्रयास" द्वारा व्याख्यान

भा.कृ.अनु.परि.-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर, मोदीपुरम पर मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा, (16-31 मई, 2017) के अंतर्गत संचालित की जा रही स्वच्छता संबन्धी गतिविधियों की कड़ी में दिनांक 25 मई, 2017 को मेरठ एवं आसपास के क्षेत्रों में कार्यरत समाजसेवी संस्था "पहल-एक-प्रयास" ने स्वच्छता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "स्वच्छता" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिसर के संयुक्त निदेशक डा. मनोज कुमार ने पहल संस्था के संचालक संचालक डा. विश्वजीत बेम्बी एवं उनके सहयोगियों का स्वागत किया। डा. विश्वजीत बेम्बी ने इस अवसर पर "पहल-एक-प्रयास" संस्था द्वारा मेरठ, समीपस्थ क्षेत्रों में संचालित की जा रही स्वच्छता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से संस्था के स्वयंसेवक क्षेत्र के लोगों में स्वच्छता के प्रति अपनी सोच को बदलने और अपनी संस्था से जोड़कर, क्षेत्रों का चयन करके वहां की स्वच्छता और सौन्दर्यकरण का कार्य करते हैं। उन्होने बताया कि बदलते परिवेश में यातायात के नियमों का पालन, कूड़ा-करकट आदि को नियत स्थान पर डालने, बेरियर एवं पार्किंग स्थल की उपयोगिता पर भी विस्तार से चर्चा कि। उन्होंने उपस्थित परिसर के स्टाफ सदस्यों को स्वच्छता के प्रति अपनी सोच बदलने और संस्था से जुड़कर देश को स्वच्छ बनाने का आहवान किया। संयुक्त निदेशक डा. मनोज कुमार ने "पहल" संस्था से जुड़ने की घोषणा करते हुए संस्था द्वारा संचालित स्वच्छता संबन्धी एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की सराहना की और उपस्थित जनों से स्वच्छता के प्रति जागरूक होने और "पहल" संस्था से जुड़ने की सलाह दी। अंत में डा. सतीश कुमार लूथरा, प्रधान वैज्ञानिक ने आमंत्रित प्रवक्ता एवं उनके सहयोगियों का धन्यवाद देते हुए घर के साथ-साथ बाहरी वातावरण को स्वच्छ रखने की प्रवृत्ति को अमल में लाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालक डा. बबिता चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया। जोकि पहल-एक-प्रयास, मोदीनगर की सदस्या भी हैं। अंत में उन्होने सभी से एक जागरूक नागरिक के रूप में स्वच्छता के प्रति अपनी मानसिकता में बदलाव लाने पर बल दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ अशोक कुमार, श्री कृष्णपाल सिंह आदि का सहयोग रहा।